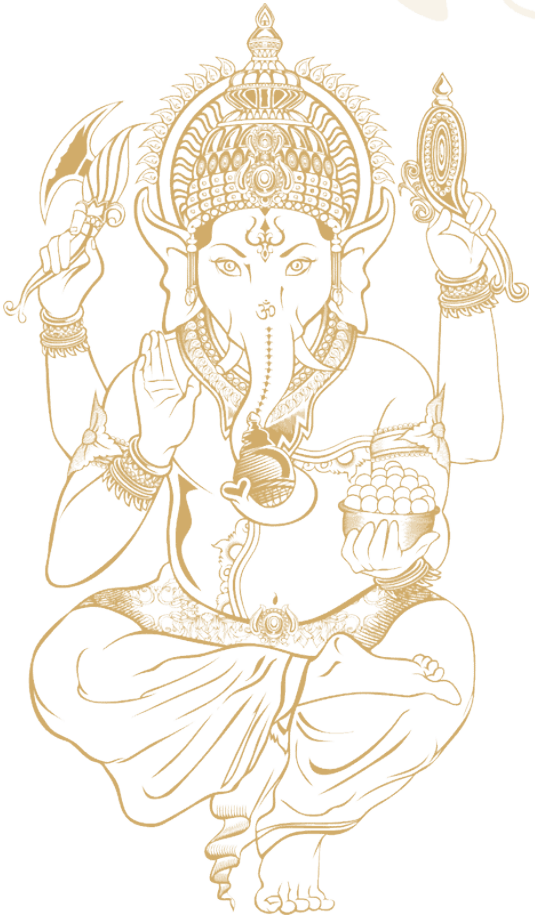

Harshit Patel

02 Jun 2010

10:45 PM

Bahraich

Model: web-freekundliweb

Order No: 120916504

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**02/06/2010**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**22:45:00 घंटे**
इष्ट	44:01:23 घटी
स्थान	**Bahraich**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:35:00 उत्तर
रेखांश	81:36:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:03:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	22:41:24 घंटे
वेलान्तर	00:02:04 घंटे
साम्पातिक काल	15:25:39 घंटे
सूर्योदय	05:08:26 घंटे
सूर्यास्त	18:54:51 घंटे
दिनमान	13:46:25 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	18:03:27 वृष
लग्न के अंश	15:14:14 मकर

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मकर - शनि
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**धनिष्ठा - 1**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	ऐन्द्र
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	सिंह
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	गा-गगन
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मक	15:14:14	420:55:11	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
सूर्य			वृष	18:03:27	00:57:28	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			मक	23:59:11	11:52:33	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	सम राशि
मंगल			सिंह	03:39:08	00:30:37	मघा	2	10	सूर्य	केतु	सूर्य	मित्र राशि
बुध			मेष	24:38:05	01:20:21	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	सम राशि
गुरु			मीन	05:29:46	00:08:38	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	स्वराशि
शुक्र			मिथु	22:16:44	01:11:02	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	मित्र राशि
शनि			कन्या	03:49:58	00:00:18	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	मित्र राशि
राहु			धनु	18:14:29	00:01:35	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	नीच राशि
केतु			मिथु	18:14:29	00:01:35	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	नीच राशि
हर्ष			मीन	06:09:02	00:01:33	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
नेप	व		कुंभ	04:41:39	00:00:04	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	---
प्लूटो	व		धनु	10:40:30	00:01:23	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	---
दशम भाव			तुला	29:47:35	--	विशाखा	--	16	शुक्र	गुरु	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:00:25

लग्न-चलित

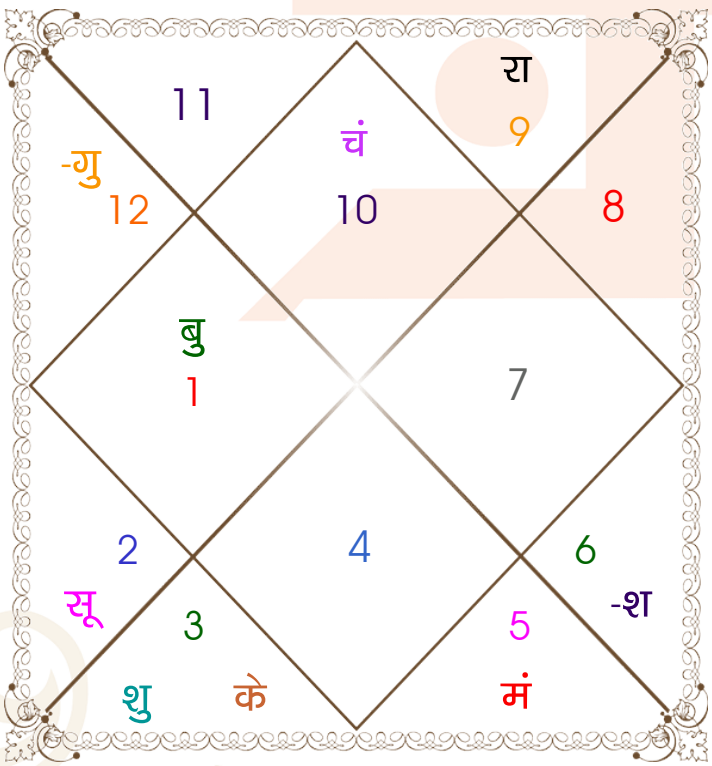

चन्द्र कुंडली

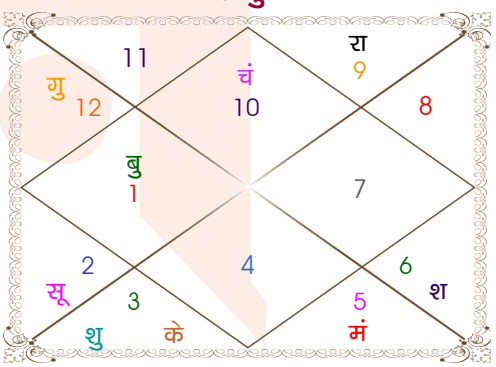

नवमांश कुंडली

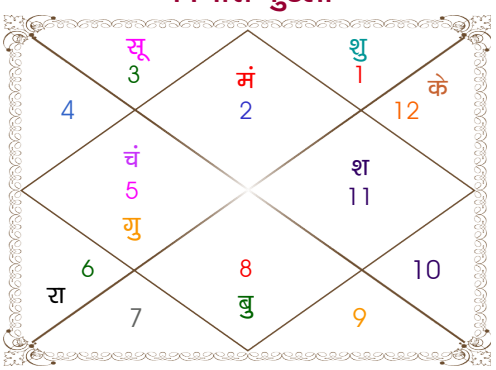

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 6 वर्ष 7 मास 26 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
02/06/2010		28/01/2017		28/01/2035		28/01/2051		28/01/2070	
28/01/2017		28/01/2035		28/01/2051		28/01/2070		28/01/2087	
मंगल	26/06/2010	राहु	11/10/2019	गुरु	18/03/2037	शनि	31/01/2054	बुध	26/06/2072
राहु	15/07/2011	गुरु	06/03/2022	शनि	29/09/2039	बुध	10/10/2056	केतु	23/06/2073
गुरु	20/06/2012	शनि	10/01/2025	बुध	04/01/2042	केतु	19/11/2057	शुक्र	23/04/2076
शनि	30/07/2013	बुध	30/07/2027	केतु	11/12/2042	शुक्र	19/01/2061	सूर्य	27/02/2077
बुध	27/07/2014	केतु	17/08/2028	शुक्र	11/08/2045	सूर्य	01/01/2062	चंद्र	30/07/2078
केतु	23/12/2014	शुक्र	17/08/2031	सूर्य	30/05/2046	चंद्र	02/08/2063	मंगल	27/07/2079
शुक्र	22/02/2016	सूर्य	11/07/2032	चंद्र	29/09/2047	मंगल	10/09/2064	राहु	12/02/2082
सूर्य	29/06/2016	चंद्र	10/01/2034	मंगल	04/09/2048	राहु	18/07/2067	गुरु	20/05/2084
चंद्र	28/01/2017	मंगल	28/01/2035	राहु	28/01/2051	गुरु	28/01/2070	शनि	28/01/2087

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
28/01/2087		28/01/2094		29/01/2114		30/01/2120		29/01/2130	
28/01/2094		29/01/2114		30/01/2120		29/01/2130		00/00/0000	
केतु	27/06/2087	शुक्र	30/05/2097	सूर्य	19/05/2114	चंद्र	29/11/2120	मंगल	03/06/2130
शुक्र	26/08/2088	सूर्य	30/05/2098	चंद्र	17/11/2114	मंगल	30/06/2121		00/00/0000
सूर्य	01/01/2089	चंद्र	29/01/2100	मंगल	25/03/2115	राहु	30/12/2122		00/00/0000
चंद्र	02/08/2089	मंगल	31/03/2101	राहु	17/02/2116	गुरु	30/04/2124		00/00/0000
मंगल	29/12/2089	राहु	31/03/2104	गुरु	05/12/2116	शनि	29/11/2125		00/00/0000
राहु	16/01/2091	गुरु	30/11/2106	शनि	17/11/2117	बुध	01/05/2127		00/00/0000
गुरु	23/12/2091	शनि	29/01/2110	बुध	24/09/2118	केतु	30/11/2127		00/00/0000
शनि	31/01/2093	बुध	29/11/2112	केतु	29/01/2119	शुक्र	31/07/2129		00/00/0000
बुध	28/01/2094	केतु	29/01/2114	शुक्र	30/01/2120	सूर्य	29/01/2130		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 6 वर्ष 7 मा 27 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्मकालिक आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म श्रवण नक्षत्र के द्वितीय चरण में मकर लग्न में वृषभ राशि के नवमांश एवं वृषभ राशीय द्रेष्काण के उदय काल में हुआ था। आपके जन्म प्रभाव से ऐसी संभावनाओं का सृजन हो रहा है कि आपका जीवन धन प्रसन्नता से युक्त फलदायी एवं प्रसन्नतम होगा। आप इन बातों में विश्वास रखते हो कि किसी भी प्रकार की प्रतियोगिता में सफल होने के लिए धीमी गति क्यों न हो। नियमित एवं लगनशीलता से युक्त हो, तो मनुष्य अवश्य सफल होता है। आप अपनी साहसिक प्रवृति के प्रति आशान्वित रह सकते हो। अतएव आप शेष कार्यों के बाद योजनानुरूप लक्ष्य तक पहुंचने के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत करते हो।

यदि आप ऐड़ी से चोटी तक पहुंचने के लिए उपयुक्त पथ पर चल रहे हो, तो आप सर्वथा नाम, प्रसिद्धि एवं अतिरिक्त धन उपार्जित कर सकते हो। यदि आप गायन कला, गणित एवं ज्योतिष कला के प्रति रुचिवान बन कर सीखने के प्रति स्नेहशील रहे तो आप प्रसिद्ध व्यक्ति बन कर किसी भी प्रकार की समस्याओं से निवृत्ति की राय दे सकते हो तथा समस्याओं का अन्वेषण करने की जमानत ले सकते हो। आपकी यह भी भूमिका रहती है कि आप अपनी इच्छानुसार उनके सहयोग के लिए अपने अतिरिक्त समय का उपयोग कर सकते है। आप सामाजिक कार्य में अपना बहुमूल्य समय का सदुपयोग करोगे। आप धीमी गति से अपने द्वारा संचालित सामाजिक कार्य में सफल हो सकते हो।

आपके जीवन का स्वर्णिम काल आपकी आयु के 19 वें वर्ष से 24 वें वर्ष के अंतराल में प्रमाणित होगा जब आपकी स्थिति अच्छी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं भरपूर लाभ हेतु सौभाग्यशाली समय होगा।

आप अपनी प्रतिभा के अनुरूप व्यवसाय का चयन कर लाभ प्राप्ति हेतु प्रस्तुत होंगे। अतएव आपके लिए सम्मतियुक्त विचारणीय यह है कि अपनी इच्छा के अनुरूप विस्तृताकार उपव्यवसाय यथा कृषि कार्य, खनिज, कोयला, खनन कार्य, पेट्रोल, तेल का (डीलरशीप) वितरण कार्य। रेफ्रिजेरेटर एवं कूलर का कार्यादि कर सकते हैं।

आपका घरेलू जीवन फलता फूलता हुआ दृष्टिगत होगा। आपकी पत्नी सुंदर एवं कठिन श्रम करने वाली तथा आपके बच्चे आपको अंगीकृत करने वाले होंगे। आपका घर शांत एवं सुखद वातावरण से युक्त होगा।

आप अपने पारिवारिक सदस्यों के लिए अंतर्मुखी होंगे तथा स्पष्ट रूप से अपने परिवार के समक्ष आपकी प्रवृति स्नेहपूर्ण रहेगा। तथापि वे आपके समक्ष किसी प्रकार की गलती नहीं करेंगे। बल्कि वे विशुद्ध आत्मा से आपका सहयोग करेंगे।

सामान्यतया आपका स्वास्थ्य एकरूपता लिए हुआ अच्छा रहेगा। परंतु कुछ वर्षों के पश्चात् कतिपय रोगादि से आप प्रभावित हो सकते है, यथा अपाचन क्रिया, कफ, सर्दी, जुकाम एवं चर्म रोगादि खुजली, खाज, बेचैनी आदि रोग। इसके विरुद्ध आपको अच्छी प्रकार

अपने घरेलू चिकित्सक से समय-समय पर विमर्श करना चाहिए। आप सर्वथा कुछ छोटे-छोटे शारीरिक दुर्घटना के प्रति सर्तक रहेंगे। इसलिए सावधानी पूर्वक चलना फिरना चढ़ना, उतरना अथवा सीढ़ी (जीने) पर चढ़ना-उतरना तथा ऊँची स्थान से छलांग लगाने की प्रवृति को बहिष्कृत करना होगा।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग सफेद, काला, लाल एवं नीला रंग भली प्रकार आपके अनुरूप है। परंतु आपके लिए रंग पीला एवं क्रीम रंग अव्यवहारणीय है।

आपके लिए वास्तविक रूप से अनुकूल अंक 6, 8 एवं 9 अंक भाग्यशाली है। परंतु अंक 3 आपके लिए निश्चित रूप से परेशानी उत्पन्न कराने वाला है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार का दिन महत्वपूर्ण कार्य संपादन हेतु सर्वथा अनुकूल है। परंतु रविवार, सोमवार एवं गुरुवार का दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं हानिकारक है। अतएव इन दिनों का त्याग करें।